प्रसार भारती
आकाशवाणी केन्द्र शिमला

09.10.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15.00 बजे

सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि अगले शैक्षणिक सत्र से प्रथम चरण में प्रदेश भर में 100 स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम पर संचालित किया जाएगा। आज शिमला में शिक्षा विभाग की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने शिक्षा विभाग को इस संबंध में सभी तैयारियां समय सीमा के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीबीएसई पैटर्न आधारित स्कूलों का अलग रंग होगा और यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों की अलग रंग की वर्दी होगी। इन स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं के साथ–साथ मैस का प्रबंध भी किया जाएगा और विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाएगा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि प्रदेश में सीबीएसई के मापदंड पूरा करने वाले अब तक 86 स्कूलों की पहचान की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शेष स्कूलों में सीबीएसई के मापदंड जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी डे–बोर्डिंग स्कूल बनाने की समीक्षा भी की और अधिकारियों को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

.....

नड्डा – फिक्की

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि भारत ने 1998 के बाद से 2017 में ही एक नई स्वास्थ्य नीति विकसित की है। नई दिल्ली में फिक्की हील 2025 को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि इस स्वास्थ्य नीति का निर्णय केवल निर्माण भवन में ही नहीं किया गया था बल्कि इसमें सभी हितधारकों को शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि यह नीति व्यापक परामर्श के बाद ही लागू की गई थी। नड्डा ने कहा कि एक लाख 70 हज़ार आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण ने देश में स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाया है। नड्डा ने बताया कि 60 करोड़ लाभार्थी या राष्ट्रीय जनसंख्या की लगभग 40 प्रतिशत आबादी इस स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठा रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज बनकर उभरा है।

.....

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हिमाचल प्रदेश रेजिलिएंट एक्शन फॉर डवेल्पमेंट एंड डिजास्टर रिकवरी परियोजना की समीक्षा की। इस परियोजना को जनवरी, 2026 से शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव निरंतर बढ़ रहे हैं जिससे मानव जीवन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को क्षति पहुंच रही है।

उन्होंने कहा कि बार–बार प्राकृतिक आपदा के कारण प्रदेश सरकार को क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मुरम्मत पर भारी संसाधन लगाने पड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व बैंक के साथ रणनीतिक सहयोग से राज्य सरकार इस बड़ी परियोजना को लागू कर रही है, जिसमें विभिन्न परियोजनाओं का प्राथमिकता के आधार पर चुनाव किया जा चुका है। इसकी कुल लागत 2 हजार 6 सौ 87 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि यह मिशन न केवल वर्ष 2023 और 2025 में प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान की भरपाई के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा बल्कि भविष्य में आपदाओं का सामना करने के लिए राज्य के बुनियादी ढांचे की मजबूती और पुनर्निर्माण कार्य में भी सहायता मिलेगी।

.....

करवा चौथ

पति की दीर्घायु व खुशहाली के लिए मनाये जाने वाला करवा चौथ का त्यौहार कल मनाया जाएगा। करवा चौथ को लेकर आज बाजारों में खूब भीड़ देखने को मिल रहीं है और बड़ी संख्या में महिलाएं खरीददारी करने के अलावा मेहंदी भी लगवा रहीं हैं। करवा चौथ को लेकर उत्साहित महिलाओं का कहना है कि करवा चौथ के त्यौहार का उन्हें बेसब्री से इंतजार रहता है ।

.....

जगत नेगी

राजस्व व बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने आज किन्नौर जिला के रकछम गांव में 80 लाख रूपए की लागत से बने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के भवन और 27 लाख रूपए की लागत से निर्मित पशु औषधालय भवन का उदघाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने 44 लाख रूपए की लागत से बनने वाले बौद्ध सामुदायिक भवन का शिलान्यास भी किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सीमांत व दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और पशुपालन जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जगत सिंह नेगी ने बताया कि पशु औषधालय के निर्माण से क्षेत्र के पशु पालकों को अपने ही गांव में चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी जिससे पशु धन की उत्पादकता बढ़ेगी।

.....